

गोदनामा

स्टाम्प रुपये

स्टाम्प न0..... तिथि.....

स्टाम्प विक्रेता का नाम.....

मैं/हम.....का/

की हूं जो कि अपने होशोहवास खुद रजामन्दी बिना किसी के सिखाये बहकाये प्रतिज्ञा करता और लिख देता हूं कि मेरी आयु वर्ष की हो गई है । मैं विवाहित हूं मेरी अपनी कोई सन्तान नरीना या मदीना नहीं है । मैं हिन्दू धर्म मे आस्था रखता हूं और हिन्दू धर्म के मुताबिक पिण्ड दान व वन्सावली के प्रचलन हेतू पुत्र का होना आवश्यक माना गया है । इसी भावना से मैंने अपने..... से उनके नवजात शिशु को गोद लेने के लिये आग्रह किया । परिस्थितियों को मध्य नजर रखते हुए अपने नवजात शिशु को गोद देना स्वीकार कर लिया बाद स्वीकृति गोर रस्म धार्मिक रीति रिवाज से पूर्ण की गई । इस अवसर पर परिवार बिरादरी व मौहल्ले के व्यक्तियों व औरतों को बुलाया गया, हवन कराया गया गीत गवाये गये, ढोल बजवाये गये, लड्डू बांटे गये व परिवार व बिरादरी तथा मौहल्ले के व्यक्तियों व औरतों के समक्ष नवजात शिशु को गोद में बैठाकर रस्म गोदनामा पूर्ण की । सभी की मौजूदगी मे उसी समय नामकर्ण संस्कार रस्म की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए नवजात शिशु का नाम रखा गयाजो आज तक हर जगह प्रचलित चला आ रहा है । बाद रस्म गोद व नामकर्ण मैंने को अपना दतक पुत्र स्वीकार किया । चूंकि बचपन से ही बतौर दतक पुत्र के मेरे साथ रहता है मैंने ही उसका लालन पालन तथा पढ़ाई लिखाई कराई है । ही मेरा असल वारिस है उसे वह सभी अधिकार जो पिता की सम्पति में एक पुत्र को प्राप्त होते है । वही मेरा श्राद्ध तर्णव व पिण्ड दान आदि करेगा। मेरा असल वारिस/उतराधिकारी मानते हुए इसे पंजीकृत कराना जरूरी समझता हूं । अतः यह गोदनामा लिख दिया है कि प्रमाण रहे आज..... दिनांक

गोददेहन्दा

गोदग्रहेन्दा

गवाह

गवाह